

RAAM LEELA · VALMIKI'S RAMAYANA

राम लीला · वाल्मीकि रामायण

ग्रंथ

The Book

शब्द वही, लीला नई

Shabd wahee, Leela nayee

..❧ Translation: Raam Leela ❧..

Every Leela that is ready to watch, with the verses it comes from: Valmiki's
Sanskrit, a poetic English translation, the Hindi as it is spoken, and the English
subtitle. The book grows as new Leelas open.

हर तैयार लीला, अपने श्लोकों के साथ: वाल्मीकि का संस्कृत, अंग्रेज़ी में काव्य-अनुवाद, बोली गई हिन्दी,
और अंग्रेज़ी उपशीर्षक।

7 kandas · 26 stories · 714 verses

CONTENTS · अनुक्रम

सुन्दरकाण्ड · Sundara Kanda	मिल गई Found	5.30.1–5.39.14	बंधन; जलती नगरी Bound; the city burns	5.41.1–5.55.34
-----------------------------	--------------	----------------	---------------------------------------	----------------

५

सुन्दरकाण्ड

Sundara Kanda

2 STORIES

SUNDARA KANDA · सुन्दरकाण्ड

Found

मिल गई

—❧ Valmiki · Sundara Kanda ❧—

5.30.1–5.39.14 (CrEd 5.28.1–5.37.13)

अशोक वृक्ष के पत्तों के बीच से हनुमान सीता को पा लेते हैं, और धीरे-धीरे राम की कथा सुनाकर,
फिर राम की मुद्रिका देकर, उनका विश्वास जीतते हैं। वे उन्हें अपनी पीठ पर ले जाने को कहते हैं;
सीता मना करती हैं, क्योंकि विजय राम की होनी चाहिए। वे हनुमान को ऐसी पहचान देती हैं जो
केवल राम जानते हैं, चित्रकूट के कौए की कथा, और अपनी मणि।

From the leaves of the Ashoka tree Hanuman finds Sita, and wins her trust by
telling Rama's story softly, then giving her Rama's ring. He offers to carry her
away on his back; she refuses, for the victory must be Rama's. She gives him a
token only Rama knows, the story of the crow at Chitrakuta, and her jewel.

१



PART 1 · भाग 1

A voice in the tree

Valmiki 5.30.1–5.34.7 (CrEd 5.28.1–5.32.7)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 5.30.1–2 ॥
CrEd 5.28.1–2

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.30.3 ॥
CrEd 5.28.3

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यां कपीनां सहस्राणि सुबहून् अयुतानि च ।
दिक्षु सर्वासु मार्गान्ते सेयम् आसादिता मया ॥

TRANSLATION *She whom monkeys by the thousand,
by many tens of thousands,
are seeking in every direction:
here she is; I have found her.*

लीला जिन्हें सहस्रों-सहस्रों वानर सब दिशाओं में खोज रहे
हैं, वे यही हैं। मैंने उन्हें पा लिया।

SUBTITLE Thousands upon thousands of monkeys
search every land for her.
Here she is.
I have found her.

॥ 5.30.18-19 ॥
CrEd 5.28.18-19

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यदि वाचं प्रदास्यामि द्विजातिर् इव संस्कृताम् ।
रावणं मन्यमाना मां सीता भीता भविष्यति ।
अवश्यम् एव वक्तव्यं मानुषं वाक्यम् अर्थवत् ॥

TRANSLATION *If I give voice to speech
refined, like a brahmin's,
Sita will think me Ravana
and will be afraid.
I must, without fail, speak
the speech of men, full of meaning.*

लीला यदि मैं ब्राह्मण की भाँति परिष्कृत वाणी बोलूँ, तो
सीता मुझे रावण समझकर डर जाएँगी। मुझे मनुष्य
की सीधी, सार्थक वाणी ही बोलनी होगी।

SUBTITLE Speak polished, like a brahmin,
and she will take me for Ravana.
I must speak plain human words,
with meaning.

॥ 5.30.41 ॥
CrEd 5.28.41

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि रामम् अक्लिष्टकर्माणं स्वबन्धुम् अनुकीर्तयन् ।
नैनाम् उद्वेजयिष्यामि तद्वन्धुगतमानसाम् ॥

TRANSLATION *Telling the praise of Rama,
her own, whose deeds never falter,
I will not alarm her,
whose heart has gone to her own.*

लीला मैं उनके अपने प्रियतम राम का गुणगान करूँगा,
जिनके कर्म कभी नहीं डिगते। इससे वे नहीं डरेंगी,
क्योंकि उनका मन उन्हीं में लगा है।

SUBTITLE I will tell of Rama, her own beloved,
whose deeds never falter.
Her heart is with him:
she will not be frightened.

॥ 5.31.2 ॥
CrEd 5.29.2

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि राजा दशरथो नाम रथकुञ्जरवाजिनाम् ।
पुण्यशीलो महाकीर्तिर् ऋजुर् आसीन् महायशः ।
चक्रवर्तिकुले जातः पुरंदरसमो बले ॥

TRANSLATION *There was a king named Dasharatha,
lord of chariots, elephants and horses,
pure in conduct, of great renown,
upright, widely famed,
born in a line of world-rulers,
equal to Indra in strength.*

लीला दशरथ नाम के एक राजा थे, रथों, हाथियों और
घोड़ों के स्वामी, पुण्यशील, सरल, महायशस्वी,
चक्रवर्ती कुल में जन्मे, बल में इन्द्र के समान।

SUBTITLE There was a king named Dasharatha,
lord of chariots, elephants and horses,
upright, famed,
strong as Indra.

॥ 5.31.6 ॥
CrEd 5.29.5

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि तस्य पुत्रः प्रियो ज्येष्ठस् ताराधिपनिभाननः ।
रामो नाम विशेषज्ञः श्रेष्ठः सर्वधनुष्मताम् ॥

TRANSLATION *His dear eldest son,
his face like the moon,
is named Rama, knower of distinctions,
best of all who bear the bow.*

लीला उनके ज्येष्ठ और प्रिय पुत्र हैं, चन्द्रमा-से मुख वाले,
राम नाम के, विवेकी, और सब धनुर्धरों में श्रेष्ठ।

SUBTITLE His eldest, dearest son, with a face like
the moon,
is named Rama:
the finest of all bowmen.

॥ 5.31.8 ॥
CrEd 5.29.7

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि तस्य सत्याभिसंधस्य वृद्धस्य वचनात् पितुः ।
सभार्यः सह च भ्रात्रा वीरः प्रव्रजितो वनम् ॥

TRANSLATION *At the word of his aged father,
a man true to his promise,
with his wife and with his brother
the hero went into exile in the forest.*

लीला अपने सत्यप्रतिज्ञ, वृद्ध पिता के वचन पर वे वीर
अपनी पत्नी और भाई के साथ वन को चले गए।

SUBTITLE At the word of his aged father,
true to his promise,
the hero went to the forest
with his wife and his brother.

॥ 5.31.9-10 ॥

CrEd 5.29.8

5.31.10:
popular text
only · not in
the CrEd

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि तेन तत्र महारण्ये मृगयां परिधावता ।
जनस्थानवधं श्रुत्वा हतौ च खरदूषणौ ।
ततस् त्व् अमर्षापहता जानकी रावणेन तु ॥

TRANSLATION *While he roamed that great forest,
ranging after game,
Ravana, hearing of the slaughter at Janasthana
and of Khara and Dushana slain,
in his fury then
carried Janaki away.*

लीला उस महावन में उन्होंने जनस्थान के राक्षसों को, और
खर-दूषण को, मार गिराया। यह सुनकर रावण ने
क्रोध में जानकी का हरण कर लिया।

SUBTITLE In the great forest he slew
Khara and Dushana.
Hearing of it, in fury,
Ravana carried Janaki away.

यहाँ दी गई संस्कृत CrEd का एक श्लोक (5.29.8) है। प्रचलित पाठ इसे 5.31.9-10 में फैलाता है, और 5.31.10 में जोड़ा गया सोने का मृग केवल प्रचलित पाठ में है।

The Sanskrit shown is the CrEd's single verse (5.29.8). The popular text spreads it over 5.31.9-10, and the golden deer it adds in 5.31.10 is the popular text's only.

॥ 5.31.15 ॥
CrEd 5.29.9

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यथारूपां यथावर्णां यथालक्ष्मीं विनिश्चिताम् ।
अश्रौषं राघवस्याहं सेयम् आसादिता मया ॥

TRANSLATION *Of just the form, just the colouring,
just the grace, beyond all doubt,
that I heard of from Raghava:
here she is; I have found her.*

लीला जैसा रूप, जैसा वर्ण, जैसी शोभा मैंने राघव से सुनी
थी, ठीक वैसी ही, वे यही हैं। मैंने उन्हें पा लिया।

SUBTITLE Her form, her colour,
every mark of her beauty,
just as I heard from Raghava:
here she is. I have found her.

॥ 5.31.18–19 ॥
CrEd 5.29.11–12

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.32.1–8 ॥
CrEd 5.30.1–3

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.32.9 ॥
CrEd 5.30.4

सीता SITA

वाल्मीकि स्वप्नो मयायं विकृतोऽद्य दृष्टः शाखामृगः
शास्त्रगणैर् निषिद्धः ।
स्वस्त्य् अस्तु रामाय सलक्ष्मणाय तथा पितुर् मे
जनकस्य राज्ञः ॥

TRANSLATION *Today I have seen an evil dream:
a monkey, forbidden by the books of lore.
May all be well with Rama and Lakshmana,
and with my father, King Janaka.*

लीला मैंने आज एक अशुभ स्वप्न देखा है, वानर, जिसे
शास्त्र वर्जित बताते हैं। राम और लक्ष्मण का
कल्याण हो, और मेरे पिता राजा जनक का भी।

SUBTITLE An ill dream today:
a monkey, which the scriptures forbid.
May Rama and Lakshmana be safe,
and my father, King Janaka!

॥ 5.32.10 ॥
CrEd 5.30.5

सीता SITA

वाल्मीकि स्वप्नोऽपि नायं न हि मेऽस्ति निद्रा शोकेन दुःखेन
च पीडितायाः ।
सुखं हि मे नास्ति यतोऽस्मि हीना तेनेन्दुपूर्णप्रतिमानेन ॥

TRANSLATION *Yet this is no dream, for I have no sleep,
worn down as I am by grief and pain;
there is no joy for me, bereft
of him whose face is like the full moon.*

लीला पर यह स्वप्न भी नहीं। शोक और दुःख से पीड़ित
मुझे नींद ही कहाँ आती है। पूर्णचन्द्र-से मुख वाले
उनसे बिछुड़कर मेरे लिए कोई सुख नहीं।

SUBTITLE But this is no dream.
Grief and pain leave me no sleep,
and no joy, parted from him
whose face is like the full moon.

॥ 5.32.14 ॥
CrEd 5.30.8

सीता SITA

वाल्मीकि नमोऽस्तु वाचस्पतये सवज्रिणे स्वयम्भुवे चैव हुताशनाय ।
अनेन चोक्तं यद् इदं ममाग्रतो वनौकसा तच् च
तथास्तु नान्यथा ॥

TRANSLATION *Homage to the Lord of Speech, and to Indra of
the thunderbolt,
to the Self-born, and to Fire:
what this forest-dweller has said before me,
may it be so, and not otherwise.*

लीला वाचस्पति बृहस्पति को, वज्रधारी इन्द्र को,
स्वयम्भू ब्रह्मा को और अग्निदेव को नमस्कार! इस
वनवासी ने मेरे सामने जो कहा है, वह सत्य हो,
अन्यथा नहीं।

SUBTITLE Homage to Brihaspati, to Indra,
to Brahma and to Agni!
What this forest creature told me,
let it be true, and not otherwise.

॥ 5.33.1-2 ॥
CrEd 5.31.1

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.33.3 ॥
CrEd 5.31.2

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि का नु पद्मपलाशाक्षी क्लिष्टकौशेयवासिनी ।
द्रुमस्य शाखाम् आलम्ब्य तिष्ठसि त्वम् अनिन्दिता ॥

TRANSLATION *Who are you, with eyes like lotus petals,
in a soiled silk garment,
standing here, holding a branch
of the tree, blameless lady?*

लीला कमलनयने, अनिन्दिते, मलिन रेशमी वस्त्र पहने,
इस वृक्ष की शाखा थामे खड़ी आप कौन हैं?

SUBTITLE Who are you, lotus-eyed,
faultless one, in worn silk,
holding a branch of this tree?

॥ 5.33.12 ॥
CrEd 5.31.10

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि रावणेन जनस्थानाद् बलाद् अपहृता यदि ।
सीता त्वम् असि भद्रं ते तन् ममाचक्ष्व पृच्छतः ॥

TRANSLATION *If you are Sita, carried off
by force from Janasthana by Ravana,
blessings on you, tell me so,
for I am asking.*

लीला यदि आप वही सीता हैं, जिन्हें रावण जनस्थान से
बलपूर्वक हर लाया, तो आपका कल्याण हो, मुझे
बताइए। मैं पूछ रहा हूँ।

SUBTITLE If you are Sita,
taken by force from Janasthana by Ravana,
bless you: tell me.
I am asking.

॥ 5.33.16 ॥
CrEd 5.31.12

सीता SITA

वाल्मीकि दुहिता जनकस्याहं वैदेहस्य महात्मनः ।
सीता च नाम नाम्नाहं भार्या रामस्य धीमतः ॥

TRANSLATION *I am the daughter of Janaka,
the great-souled king of Videha;
Sita is my name,
the wife of wise Rama.*

लीला मैं विदेहराज महात्मा जनक की पुत्री हूँ। मेरा नाम
सीता है। मैं बुद्धिमान राम की पत्नी हूँ।

SUBTITLE I am the daughter
of great-souled Janaka, king of Videha.
My name is Sita.
I am the wife of wise Rama.

सीता SITA

वाल्मीकि वसतो दण्डकारण्ये तस्याहम् अमितौजसः ।
रक्षसापहता भार्या रावणेन दुरात्मना ।
द्वौ मासौ तेन मे कालो जीवितानुग्रहः कृतः ।
ऊर्ध्वं द्वाभ्यां तु मासाभ्यां ततस् त्यक्ष्यामि जीवितम् ॥

TRANSLATION *While he of boundless might
was living in the Dandaka forest,
I, his wife, was carried off
by Ravana, the evil rakshasa.
He has granted me two months,
a term of grace to live;
and when the two months are over,
I will give up my life.*

लीला जब वे दण्डकारण्य में रहते थे, तब दुरात्मा रावण ने
मेरा हरण कर लिया। उसने मुझे दो मास का
जीवन-दान दिया है। दो मास के बाद मैं अपने प्राण
त्याग दूँगी।

SUBTITLE While he lived in Dandaka,
Ravana carried me off.
He has left me two months to live;
after two, I give up my life.

॥ 5.34.2 ॥
CrEd 5.32.2

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अहं रामस्य संदेशाद् देवि दूतस् तवागतः ।
वैदेहि कुशली रामस् त्वां च कौशलम् अब्रवीत् ॥

TRANSLATION *At Rama's bidding, lady,
I have come to you as messenger.
Vaidehi, Rama is well,
and he asks if you are well.*

लीला देवी, मैं राम का संदेश लेकर दूत के रूप में आपके पास आया हूँ। वैदेही, राम सकुशल हैं, और उन्होंने आपकी कुशल पूछी है।

SUBTITLE Devi, I have come as a messenger,
with word from Rama.
Vaidehi, Rama is well,
and asks if you are well.

॥ 5.34.4 ॥
CrEd 5.32.4

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि लक्ष्मणश् च महातेजा भर्तुस् तेऽनुचरः प्रियः ।
कृतवाज् शोकसंतप्तः शिरसा तेऽभिवादनम् ॥

TRANSLATION *And Lakshmana of great splendour,
your husband's dear companion,
burning with grief,
bows his head to you in greeting.*

लीला और आपके पति के प्रिय अनुचर, तेजस्वी लक्ष्मण ने, शोक से संतप्त होकर, सिर झुकाकर आपको प्रणाम कहा है।

SUBTITLE And shining Lakshmana,
your husband's dear companion,
burning with grief,
bows his head to you.

॥ 5.34.6 ॥
CrEd 5.32.6

सीता SITA

वाल्मीकि कल्याणी बत गाथेयं लौकिकी प्रतिभाति मे ।
एति जीवन्तम् आनन्दो नरं वर्षशताद् अपि ॥

TRANSLATION *How fair, how true, this saying
of the people seems to me:
joy comes to the one who lives,
even after a hundred years.*

लीला लोक में कही जाने वाली यह कल्याणकारी उक्ति
आज मुझे सच्ची लगती है, जीवित मनुष्य के पास
आनन्द आ ही जाता है, सौ वर्ष बाद ही सही।

SUBTITLE How true it seems, that old saying:
joy comes to one who lives,
even after a hundred years.



The ring

Valmiki 5.34.8–5.37.66 (CrEd 5.32.8–5.35.68)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 5.34.8–9 ॥
CrEd 5.32.8–9

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.34.10 ॥
CrEd 5.32.10

सीता SITA

वाल्मीकि अहो धिग् धिक् कृतम् इदं कथितं हि यद् अस्य मे ।
रूपान्तरम् उपागम्य स एवायं हि रावणः ॥

TRANSLATION *Oh, shame, shame on what I have done,
for I have told him everything!
He has come in another form:
this is Ravana himself.*

लीला धिक्कार है, धिक्कार! मैंने इसे सब कुछ बता
दिया। यह तो वही रावण है, दूसरा रूप धरकर
आया है।

SUBTITLE Shame on me, shame!
I have told him everything.
He is Ravana himself,
come in another form.

॥ 5.34.15 ॥
CrEd 5.32.15

सीता SITA

वाल्मीकि स्वं परित्यज्य रूपं यः परिव्राजकरूपधृत् ।
जनस्थाने मया दृष्टस् त्वं स एवासि रावणः ॥

TRANSLATION *You who cast off your own form
and wore the form of a wandering ascetic,
whom I saw in Janasthana:
you are that same Ravana.*

लीला अपना रूप छोड़कर जो परिव्राजक का वेश धरे
जनस्थान में मुझे दिखा था, तुम वही रावण हो।

SUBTITLE You threw off your own form,
came to me in Janasthana as a
wandering ascetic.
You are that same Ravana.

सीता SITA

वाल्मीकि यदि रामस्य दूतस् त्वम् आगतो भद्रम् अस्तु ते ।
पृच्छामि त्वां हरिश्रेष्ठ प्रिया राम कथा हि मे ।
गुणान् रामस्य कथय प्रियस्य मम वानर ।
चित्तं हरसि मे सौम्य नदीकूलं यथा रयः ॥

TRANSLATION *If you have come as Rama's messenger,
blessings on you.
I ask you, best of monkeys,
for talk of Rama is dear to me.
Tell me the virtues of Rama,
my beloved, monkey;
you steal my heart away, gentle one,
as a current steals a river's bank.*

लीला पर यदि तुम सचमुच राम के दूत हो, तो तुम्हारा
कल्याण हो। मुझे राम के गुण सुनाओ, सौम्य। तुम
मेरा मन वैसे ही बहा ले जाते हो, जैसे प्रवाह नदी के
तट को।

SUBTITLE If you are Rama's messenger, bless you.
Tell me of Rama, dear to me.
You carry my heart away,
as a flood carries a riverbank.

॥ 5.34.32 ॥
CrEd 5.32.30

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अपकृष्याश्रमपदान् मृगरूपेण राघवम् ।
शून्ये येनापनीतासि तस्य द्रक्ष्यसि यत् फलम् ॥

TRANSLATION *He who drew Raghava
from the hermitage in a deer's form,
and carried you off when you were alone:
you will see what fruit he reaps.*

लीला जिसने मृग के रूप से राघव को आश्रम से दूर खींचा
और सूने में आपको हर लाया, उसका क्या फल
होता है, वह आप देखेंगी।

SUBTITLE He who drew Raghava from the hermitage
in a deer's shape, and took you when it
stood empty:
you will see the fruit of that.

॥ 5.34.39 ॥
CrEd 5.32.37

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अहं सुग्रीवसचिवो हनूमान् नाम वानरः ।
प्रविष्टो नगरीं लङ्कां लङ्घयित्वा महोदधिम् ॥

TRANSLATION *I am Sugriva's minister,
a monkey named Hanuman;
I have entered the city of Lanka,
having leapt the great ocean.*

लीला मैं सुग्रीव का मंत्री हूँ, हनुमान नाम का वानर।
महासागर लाँघकर मैं लंका नगरी में आया हूँ।

SUBTITLE I am a monkey,
Hanuman by name, Sugriva's minister.
I leapt the great ocean
and entered the city of Lanka.

॥ 5.34.41 ॥
CrEd 5.32.39

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि नाहम् अस्मि तथा देवि यथा माम् अवगच्छसि ।
विशङ्का त्यज्यताम् एषा श्रद्धत्स्व वदतो मम ॥

TRANSLATION *I am not as you take me,
lady; let this doubt
be cast away; believe me
when I speak.*

लीला देवी, मैं वैसा नहीं हूँ जैसा आप मुझे समझ
रही हैं। यह शंका छोड़ दीजिए। मेरी बात पर
विश्वास कीजिए।

SUBTITLE I am not what you take me for, Devi.
Put this doubt away.
Believe what I tell you.

॥ 5.36.2-3 ॥
CrEd 5.34.2

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि वानरोऽहं महाभागे दूतो रामस्य धीमतः ।
रामनामाङ्कितं चेदं पश्य देव्य् अङ्गुलीयकम् ।
समाश्वसिहि भद्रं ते क्षीणदुःखफला ह्य् असि ॥

TRANSLATION *I am a monkey, noble lady,
the messenger of wise Rama;
and see this ring, lady,
marked with Rama's name.
Take heart, blessings on you;
the fruit of your sorrow is all but spent.*

लीला महाभागे, मैं वानर हूँ, बुद्धिमान राम का दूत। देवी,
देखिए, यह राम के नाम से अंकित मुद्रिका है।
धीरज धरिए। आपके दुःख का अंत आ पहुँचा है।

SUBTITLE Noble lady, I am wise Rama's messenger.
Look, Devi: this ring bears Rama's name.
Take heart:
your sorrow has run its course.

॥ 5.36.4-5 ॥
CrEd 5.34.3-4

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.36.7 ॥
CrEd 5.34.6

सीता SITA

वाल्मीकि विक्रान्तस् त्वं समर्थस् त्वं प्राज्ञस् त्वं वानरोत्तम ।
येनेदं राक्षसपदं त्वयैकेन प्रधर्षितम् ॥

TRANSLATION *You are bold, you are able,
you are wise, best of monkeys,
you who alone have assailed
this stronghold of the rakshasas.*

लीला वानरश्रेष्ठ, तुम पराक्रमी हो, समर्थ हो, बुद्धिमान हो,
जो तुम अकेले ही राक्षसों के इस गढ़ को भेदकर
यहाँ आ पहुँचे।

SUBTITLE You are brave, you are able,
you are wise, best of monkeys,
to break alone
into this rakshasa stronghold.

॥ 5.36.13 ॥
CrEd 5.34.12

सीता SITA

वाल्मीकि कुशली यदि काकुत्स्थः किं नु सागरमेखलाम् ।
महीं दहति कोपेन युगान्ताग्निर् इवोत्थितः ॥

TRANSLATION *If Kakutstha is well, why then
does he not burn in his anger
the sea-girdled earth,
risen like the fire at the end of an age?*

लीला यदि काकुत्स्थ सकुशल हैं, तो प्रलय की अग्नि की
भाँति उठकर वे क्रोध से सागर से घिरी इस पृथ्वी
को भस्म क्यों नहीं कर देते?

SUBTITLE If Kakutstha is well,
why does his anger not rise
like the fire at the world's end,
and burn the sea-girt earth?

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि न त्वाम् इहस्थां जानीते रामः कमललोचनः ।
श्रुत्वैव तु वचो मह्यं क्षिप्रम् एष्यति राघवः ।
चमूं प्रकर्षन् महतीं हर्यृक्षगणसंकुलाम् ॥

TRANSLATION *Lotus-eyed Rama
does not know you are here;
but the moment he hears my word,
Raghava will come swiftly,
leading a mighty army,
thronged with troops of monkeys and bears.*

लीला कमलनयन राम नहीं जानते कि आप यहाँ हैं। मेरी
बात सुनते ही राघव वानरों और भालुओं की
विशाल सेना लेकर शीघ्र आ पहुँचेंगे।

SUBTITLE Lotus-eyed Rama does not know you
are here.
The moment he hears, he will come,
with a great army
of monkeys and bears.

सीता SITA

वाल्मीकि स वाच्यः संत्वरस्वेति यावद् एव न पूर्यते ।
अयं संवत्सरः कालस् तावद् धि मम जीवितम् ।
वर्तते दशमो मासो द्वौ तु शेषौ प्लवंगम ।
रावणेन नृशंसेन समयो यः कृतो मम ॥

TRANSLATION *He must be told, "Make haste,"
for only until this year's term
has run its course
will my life last.
The tenth month is passing,
and two remain, monkey,
of the term that cruel Ravana
has set for me.*

लीला उनसे कहना, शीघ्रता करें। यह वर्ष पूरा होने तक ही मेरा जीवन है। क्रूर रावण ने जो अवधि दी है, उसका दसवाँ मास चल रहा है, केवल दो शेष हैं।

SUBTITLE Tell him to hurry.
I live only till this year ends.
Of cruel Ravana's term, the tenth month
is passing.
Two remain.

॥ 5.37.19 ॥
CrEd 5.35.21

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अथ वा मोचयिष्यामि ताम् अद्यैव हि राक्षसात् ।
अस्माद् दुःखाद् उपारोह मम पृष्ठम् अनिन्दिते ॥

TRANSLATION *Or else I will free you
this very day from the rakshasa,
from this misery; climb up
onto my back, blameless lady.*

लीला या फिर मैं आज ही आपको इस राक्षस से, इस
दुःख से छुड़ा ले जाऊँ। अनिन्दिते, मेरी पीठ पर
चढ़ जाइए।

SUBTITLE Or else I will free you
from this rakshasa today, from this sorrow.
Climb onto my back,
faultless one.

॥ 5.37.20 ॥
CrEd 5.35.22

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि त्वं हि पृष्ठगतां कृत्वा संतरिष्यामि सागरम् ।
शक्तिर् अस्ति हि मे वोढुं लङ्काम् अपि सरावणाम् ॥

TRANSLATION *With you upon my back
I will cross the ocean;
I have the strength to carry
even Lanka, with Ravana.*

लीला आपको पीठ पर बिठाकर मैं सागर पार कर
जाऊँगा। मुझमें तो रावण समेत पूरी लंका को उठा
ले जाने की शक्ति है।

SUBTITLE With you on my back
I will cross the sea.
I have the strength to carry Lanka itself,
and Ravana with it.

॥ 5.37.29-30 ॥
CrEd 5.35.31-32

सीता SITA

वाल्मीकि हनूमन् दूरम् अध्वानं कथं मां वोढुम् इच्छसि ।
तद् एव खलु ते मन्ये कपित्वं हरियूथप ।
कथं वाल्पशरीरस् त्वं माम् इतो नेतुम् इच्छसि ॥

TRANSLATION *Hanuman, how can you wish
to carry me so long a way?
This, I think, is surely
your monkey nature, troop leader.
How, with so small a body,
can you wish to take me from here?*

॥ 5.37.31-36 ॥
CrEd 5.35.33-38

SILENT MOMENT मौन क्षण

लीला हनुमान, इतनी लंबी राह तुम मुझे कैसे ले जाना
चाहते हो, इतनी छोटी देह से? मुझे तो लगता है,
यह तुम्हारा वानर-स्वभाव ही है।

SUBTITLE Hanuman, how can you think
to carry me so far?
With a body so small?
That, I think, is just your monkey nature!

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि सपर्वतवनोद्देशां साट्टप्राकारतोरणाम् ।
लङ्काम् इमां सनाथां वा नयितुं शक्तिर् अस्ति मे ।
तद् अवस्थाप्य तां बुद्धिर् अलं देवि विकाङ्क्षया ।
विशोकं कुरु वैदेहि राघवं सहलक्ष्मणम् ॥

TRANSLATION *Lanka itself, with its mountains and forests,
its towers, walls and gates,
and its lord as well,
I have the strength to carry off.
So let your mind be settled, lady;
enough of doubting.
Free Raghava from grief, Vaidehi,
and Lakshmana with him.*

लीला पर्वतों, वनों, अटारियों, परकोटों और तोरणों समेत,
इसके स्वामी सहित, इस लंका को उठा ले जाने की
शक्ति मुझमें है। देवी, संशय छोड़िए। राघव का
शोक मिटाइए।

SUBTITLE Hills and woods, towers, walls and gates:
I could carry off this Lanka, and its lord.
Doubt no more, Devi.
End Raghava's grief.

सीता SITA

वाल्मीकि अयुक्तं तु कपिश्रेष्ठ मया गन्तुं त्वया सह ।
वायुवेगसवेगस्य वेगो मां मोहयेत् तव ।
अहम् आकाशम् आसक्ता उपर्य् उपरि सागरम् ।
प्रपतेयं हि ते पृष्ठाद् भयाद् वेगेन गच्छतः ॥

TRANSLATION *But it is not fitting, best of monkeys,
for me to go with you;
your speed, swift as the wind,
would make me faint.
Clinging in the sky, high,
high above the ocean,
I would fall from your back in fear
as you sped along.*

लीला पर तुम्हारे साथ मेरा जाना उचित नहीं, कपिश्रेष्ठ।
वायु-जैसा तुम्हारा वेग मुझे मूर्च्छित कर देगा।
सागर के ऊपर आकाश में भय से मैं तुम्हारी पीठ से
गिर पड़ूँगी।

SUBTITLE I should not go with you.
Your speed, like the wind's, would make
me faint.
High over the sea,
I could fall from your back.

॥ 5.37.49 ॥
CrEd 5.35.51

सीता SITA

वाल्मीकि सायुधा बहवो व्योम्नि राक्षसास् त्वं निरायुधः ।
कथं शक्यसि संयातुं मां चैव परिरक्षितुम् ॥

TRANSLATION *Many rakshasas, armed, in the sky,
and you without a weapon:
how will you be able to fight
and to guard me as well?*

लीला आकाश में अनेक सशस्त्र राक्षस होंगे, और तुम
निहत्ये। तुम उनसे लड़ोगे भी और मेरी रक्षा भी
कैसे करोगे?

SUBTITLE Many armed rakshasas will fill the sky,
and you have no weapon.
How can you fight them
and guard me too?

॥ 5.37.55 ॥
CrEd 5.35.57

सीता SITA

वाल्मीकि कामं त्वम् अपि पर्याप्तो निहन्तुं सर्वराक्षसान् ।
राघवस्य यशो हीयेत् त्वया शस्तैस् तु राक्षसैः ॥

TRANSLATION *Granted, you too are able
to slay all the rakshasas;
but Raghava's glory would be lessened
if the rakshasas were slain by you.*

लीला मानती हूँ, तुम सब राक्षसों को मारने में समर्थ हो।
पर यदि वे तुम्हारे हाथों मारे गए, तो राघव का यश
घट जाएगा।

SUBTITLE You could kill every rakshasa,
I grant you.
But if you strike them down,
Raghava's glory would be less.

सीता SITA

वाल्मीकि भर्तुर् भक्तिं पुरस्कृत्य रामाद् अन्यस्य वानर ।
नाहं स्प्रष्टुं पदा गात्रम् इच्छेयं वानरोत्तम ।
यद् अहं गात्रसंस्पर्शं रावणस्य गता बलात् ।
अनीशा किं करिष्यामि विनाथा विवशा सती ॥

TRANSLATION *Holding first my devotion to my husband,
monkey, I would not wish to touch
the body of any but Rama,
not even with my foot, best of monkeys.
That I came to touch Ravana's body
was by force;
powerless, what could I do,
without my protector, helpless?*

लीला पति-भक्ति को आगे रखकर, वानरोत्तम, मैं राम के
सिवा किसी और पुरुष की देह को पाँव से भी छूना
नहीं चाहती। रावण ने बलपूर्वक मेरा स्पर्श किया।
तब मैं अनाथ और विवश थी, क्या करती?

SUBTITLE For love of my husband,
I will touch no man but Rama,
not even with my foot.
Ravana's touch was forced: I was helpless.

॥ 5.37.62 ॥
CrEd 5.35.64

सीता SITA

वाल्मीकि यदि रामो दशग्रीवम् इह हत्वा सराक्षसं ।
माम् इतो गृह्य गच्छेत् तत् तस्य सदृशं भवेत् ॥

TRANSLATION *If Rama slays the Ten-necked one
here, with his rakshasas,
and takes me and goes from here,
that would be worthy of him.*

लीला यदि राम यहीं आकर दशग्रीव को राक्षसों समेत
मारें, और स्वयं मुझे यहाँ से ले जाएँ, तो वही उनके
योग्य होगा।

SUBTITLE If Rama kills the ten-necked one here,
with all his rakshasas,
and takes me home himself:
that will be worthy of him.

॥ 5.38.1 ॥
CrEd 5.36.1

SILENT MOMENT मौन क्षण



The jewel

Valmiki 5.38.1–5.39.14 (CrEd 5.36.1–5.37.13)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 5.38.4–5 ॥
CrEd 5.36.4–5

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि द्वितीयं कारणं यच् च ब्रवीषि विनयान्विते ।
रामाद् अन्यस्य नार्हामि संस्पर्शम् इति जानकि ।
एतत् ते देवि सदृशं पत्न्यास् तस्य महात्मनः ।
का ह्य् अन्या त्वाम् ऋते देवि ब्रूयाद् वचनम् ईदृशम् ॥

TRANSLATION *And the second reason you give,
modest lady, Janaki,
that you must not be touched
by anyone but Rama:
this is worthy of you, lady,
the wife of that great soul;
for who but you, lady,
would speak such words?*

लीला और जानकी, आपका दूसरा कारण, कि राम के
सिवा किसी का स्पर्श आपके योग्य नहीं, यह उन
महात्मा की पत्नी के सर्वथा अनुरूप है। देवी, आपके
सिवा ऐसा वचन और कौन कहेगा?

SUBTITLE Your second reason, Janaki,
to touch no one but Rama,
is worthy of his wife.
Who but you could speak so?

॥ 5.38.10 ॥
CrEd 5.36.10

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यदि नोत्सहसे यातुं मया सार्धम् अनिन्दिते ।
अभिज्ञानं प्रयच्छ त्वं जानीयाद् राघवो हि यत् ॥

TRANSLATION *If you have no heart to go
with me, blameless lady,
give me a token
that Raghava will know.*

लीला अनिन्दिते, यदि आप मेरे साथ नहीं चलना चाहतीं,
तो कोई ऐसी पहचान दीजिए, जिसे राघव जान लें।

SUBTITLE If you will not come with me,
faultless one,
give me a token,
something Raghava will know.

॥ 5.38.11 ॥
CrEd 5.36.11

SILENT MOMENT मौन क्षण

सीता SITA

वाल्मीकि इदं श्रेष्ठम् अभिज्ञानं ब्रूयास् त्वं तु मम प्रियम् ।
शैलस्य चित्रकूटस्य पादे पूर्वोत्तरे तदा ।
तापसाश्रमवासिन्याः प्राज्यमूलफलोदके ।
तस्मिन् सिद्धाश्रमे देशे मन्दाकिन्या अदूरतः ॥

TRANSLATION *But tell my beloved this,
the best of tokens:
at the foot of the mountain Chitrakuta,
on its north-east side, back then,
when I lived in the ascetics' hermitage,
rich in roots, fruit and water,
in that land of the siddhas' hermitage,
not far from the Mandakini,*

लीला मेरे प्रिय से यह श्रेष्ठ पहचान कहना। राघव,
चित्रकूट पर्वत की पूर्वोत्तर तलहटी में, मन्दाकिनी के
पास, जब मैं तपस्वियों के आश्रम में रहती थी,

SUBTITLE Tell my beloved this, the best of tokens.
Raghava, at the north-east foot
of Chitrakuta,
near the Mandakini,
where we lived among the ascetics...

॥ 5.38.14, 21 ॥

CrEd 5.36.14–15

condensed
from 5.38.14,
21

सीता SITA

वाल्मीकि तस्योपवनषण्डेषु नानापुष्पसुगन्धिषु ।
विहत्य सलिलक्लिन्ना तवाङ्गे समुपाविशम् ।
पर्यायेण प्रसुप्तश् च ममाङ्गे भरताग्रजः ॥

TRANSLATION *in its groves of flowering woods,
sweet with every kind of flower,
I played, and wet with water
came and sat in your lap.
And in turn Bharata's elder brother
fell asleep in my lap.*

लीला सुगन्धित उपवनों में विहार करके, जल से भीगी मैं
आपकी गोद में आ बैठी। और फिर बारी-बारी से
आप मेरी गोद में सो गए।

SUBTITLE ...after wandering in the fragrant groves,
still wet from the water,
I sat in your lap.
And then, in turn, you slept in mine.

प्रचलित पाठ राम के सोने की बात बाद में (5.38.21) कहता है; CrEd इसे तुरंत, अगले श्लोक (5.36.15) में कहता है।

The popular text tells of Rama's sleep later (5.38.21); the CrEd tells it at once, in the next verse (5.36.15).

॥ 5.38.15, 17-
18 ॥

CrEd 5.36.16, 18-
19a

condensed
from 5.38.15,
17-18

सीता SITA

वाल्मीकि ततो मांससमायुक्तो वायसः पर्यतुण्डयत् ।
तम् अहं लोष्टम् उद्यम्य वारयामि स्म वायसं ।
उत्कर्षन्त्यां च रशनां क्रुद्धायां मयि पक्षिणे ।
संसमाने च वसने ततो दृष्टा त्वया ह्य् अहम् ।
त्वया विहसिता चाहं क्रुद्धा संलज्जिता तदा ॥

TRANSLATION *Then a crow, greedy for flesh,
kept pecking at me;
I picked up a clod of earth
and kept driving the crow away.
As I pulled at my girdle,
angry with the bird,
and my garment slipped,
then you saw me;
and you laughed at me,
and I was angry then, and ashamed.*

लीला तभी एक कौआ मुझ पर बार-बार चोंच मारने लगा ।
मैंने ढेला उठाकर उसे भगाया । मेरा वस्त्र सरक
गया, आपने देखा और हँस पड़े । मैं क्रुद्ध भी हुई,
लज्जित भी ।

SUBTITLE A crow kept pecking at me;
I drove it off with a clod.
My garment slipped; you saw, and laughed.
I was angry, and ashamed.

संस्कृत यहाँ वैसी दी गई है, जैसी CrEd (5.36.16, 18-19ab) में है।

The Sanskrit is given as the CrEd has it (5.36.16, 18-19ab).

॥ 5.38.20, 29 ॥

CrEd 5.36.21, 25

condensed
from 5.38.20,
29

सीता SITA

वाल्मीकि बाष्पपूर्णमुखी मन्दं चक्षुषी परिमार्जती ।
लक्षिताहं त्वया नाथ वायसेन प्रकोपिता ।
ततस् तस्मिन् महाबाहुः कोपसंवर्तितेक्षणः ।
वायसे कृतवान् क्रूरां मतिं मतिमतां वर ॥

TRANSLATION *My face full of tears,
slowly wiping my eyes,
I was seen by you, my lord,
provoked by the crow.
Then, mighty-armed one, your eyes
rolling in anger,
you turned a cruel mind on the crow,
best of the wise.*

लीला नाथ, आपने देखा कि उस कौए ने मुझे सताया है
और मेरा मुख आँसुओं से भरा है। तब आपकी
आँखें उस पक्षी पर क्रोध से घूम गईं।

SUBTITLE You saw my face full of tears, my lord,
tormented by that crow.
And your eyes rolled in anger
at the bird.

॥ 5.38.30 ॥
CrEd 5.36.26

सीता SITA

वाल्मीकि स दर्भसंस्तराद् गृह्य ब्रह्मणोऽस्त्रेण योजयः ।
स दीप्त इव कालाग्निर् ज्वालाभिमुखो द्विजम् ॥

TRANSLATION *You took a blade from your bed of darbha grass
and joined it to Brahma's weapon;
blazing like the fire at the end of time,
it flamed out against the bird.*

लीला आपने कुश के बिछौने से एक दर्भ उठाया, उसे
ब्रह्मास्त्र से अभिमन्त्रित किया, और वह प्रलय की
अग्नि-सा उस पक्षी की ओर धधक उठा।

SUBTITLE You took a blade of darbha from your bed,
charged it with Brahma's weapon;
it blazed at the bird
like doomsday fire.

सीता SITA

वाल्मीकि स पित्रा च परित्यक्तः सुरैः सर्वैर् महर्षिभिः ।
त्रील् लोकान् संपरिक्रम्य त्वाम् एव शरणं गतः ।
तं त्वं निपतितं भूमौ शरण्यः शरणागतम् ।
वधार्हम् अपि काकुत्स्थ कृपया पर्यपालयः ॥

TRANSLATION *Forsaken by his father,
by all the gods and the great sages,
he went round the three worlds
and came to you alone for refuge.
Fallen on the ground, come for refuge,
he deserved death, Kakutstha,
yet you, the giver of refuge,
in pity protected him.*

लीला अपने पिता इन्द्र ने, सब देवताओं और महर्षियों ने
उसे त्याग दिया। तीनों लोकों में भटककर वह
आपकी ही शरण आ गिरा। वध के योग्य होने
पर भी, काकुत्स्थ, आपने करुणा करके उसे
बचा लिया।

SUBTITLE Cast off by Indra his father, by gods
and sages,
he fled through three worlds
and fell before you.
You spared him.

॥ 5.38.37 ॥
CrEd 5.36.31

5.38.37cd:
popular text
only · not in
the CrEd

सीता SITA

वाल्मीकि ततस् तस्याक्षि काकस्य हिनस्ति स्म स दक्षिणम् ।
दत्त्वा स दक्षिणं नेत्रं प्राणेभ्यः परिरक्षितः ॥

TRANSLATION *Then it destroyed
the crow's right eye;
giving up his right eye,
he kept his life.*

लीला अस्त्र ने उस कौए की दाहिनी आँख ली। दाहिनी
आँख देकर उसने अपने प्राण बचाए।

SUBTITLE The weapon took the crow's right eye.
Giving his right eye,
he kept his life.

दूसरी पंक्ति (5.38.37cd), “दाहिनी आँख देकर उसने प्राण बचाए”, केवल प्रचलित पाठ में है। CrEd का श्लोक केवल पहली पंक्ति है (5.36.31)।

The second half (5.38.37cd), “giving up his right eye, he kept his life”, is the popular text's. The CrEd verse is the first half alone (5.36.31).

popular text only · not in the CrEd 5.38.37b

The second half, "giving his right eye, he kept his life" (5.38.37b), is the popular text's; the CrEd verse ends with the weapon taking the crow's right eye (5.36.31).

॥ 5.38.39 ॥
CrEd 5.36.33

सीता SITA

वाल्मीकि मत्कृते काकमात्रेऽपि ब्रह्मास्त्रं समुदीरितम् ।
कस्माद् यो मां हरत् त्वत्तः क्षमसे तं महीपते ॥

TRANSLATION *For my sake, at a mere crow,
you loosed Brahma's weapon;
why then, lord of the earth, do you bear with
the one who took me from you?*

लीला मेरे लिए आपने एक कौए भर पर ब्रह्मास्त्र चला
दिया था। तो फिर, पृथ्वीपति, जो मुझे आपसे हर
ले गया, उसे आप क्षमा क्यों कर रहे हैं?

SUBTITLE For me you loosed Brahma's weapon
at a mere crow.
Then why, lord of the earth,
do you forgive the one who stole me?

॥ 5.38.67 ॥
CrEd 5.36.50

सीता SITA

वाल्मीकि इदं ब्रूयाश् च मे नाथं शूरं रामं पुनः पुनः ।
जीवितं धारयिष्यामि मासं दशरथात्मज ।
ऊर्ध्व मासान् न जीवेयं सत्येनाहं ब्रवीमि ते ॥

TRANSLATION *And tell my lord, the hero Rama,
this, again and again:
"I will hold on to life for a month,
son of Dasharatha;
beyond that month I will not live:
I tell you this by the truth."*

लीला और मेरे स्वामी, शूरवीर राम से बार-बार कहना,
दशरथनन्दन, मैं एक मास और प्राण धारण करूँगी।
उसके बाद नहीं जीऊँगी। मैं सत्य कहती हूँ।

SUBTITLE Tell brave Rama, again and again:
son of Dasharatha, I will hold on to life
one month more. No longer.
I swear it by the truth.

॥ 5.38.69-70 ॥
CrEd 5.36.52-53

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.39.1-2 ॥
CrEd 5.37.1-2

सीता SITA

वाल्मीकि अभिज्ञानम् अभिज्ञातम् एतद् रामस्य तत्त्वतः ।
मणिं तु दृष्ट्वा रामो वै त्रयाणां संस्मरिष्यति ।
वीरो जनन्या मम च राज्ञो दशरथस्य च ॥

TRANSLATION *This token is truly
one that Rama knows well.
Seeing the jewel, Rama the hero
will remember three:
the mother, and me,
and King Dasharatha.*

लीला राम इस पहचान को भली-भाँति जानते हैं। इस
मणि को देखकर वीर राम हम तीनों को स्मरण
करेंगे, मेरी माता को, मुझे, और राजा दशरथ को।

SUBTITLE Rama knows this token well.
When he sees this jewel, he will
remember three:
my mother, me,
and King Dasharatha.

॥ 5.39.14 ॥
CrEd 5.37.13

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि क्षिप्रम् एष्यति काकुत्स्थो हर्यृक्षप्रवरैर् वृतः ।
यस् ते युधि विजित्यारीज् शोकं व्यपनयिष्यति ॥

TRANSLATION *Kakutstha will come soon,
surrounded by the best of monkeys and bears,
and, conquering your foes in battle,
he will take away your grief.*

लीला काकुत्स्थ शीघ्र ही श्रेष्ठ वानरों और भालुओं से घिरे
हुए आएँगे। युद्ध में शत्रुओं को जीतकर वे आपका
शोक दूर करेंगे।

SUBTITLE Kakutstha will come soon,
with the best of the monkeys and bears.
He will conquer his enemies in battle
and take your grief away.

॥ 5.38.71 ॥
CrEd 5.36.54

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.38.72 ॥
CrEd 5.36.55

SILENT MOMENT मौन क्षण

SUNDARA KANDA · सुन्दरकाण्ड

Bound; the city burns

बंधन; जलती नगरी

—❖ Valmiki · Sundara Kanda ❖—

5.41.1–5.55.34 (CrEd 5.39.1–5.53.28)

हनुमान रावण का उपवन उजाड़ते हैं और राक्षसों से लड़ते हैं, फिर इन्द्रजित के ब्रह्मास्त्र से स्वयं को बँध जाने देते हैं, ताकि रावण के सामने पहुँच सकें। सभा में वे राजा से सीता को लौटाने को कहते हैं; विभीषण उन्हें मृत्युदण्ड से बचाते हैं, और रावण उसकी जगह उनकी पूँछ में आग लगाने का आदेश देता है। जलती पूँछ से हनुमान लंका को जला देते हैं, डरते हैं कि कहीं सीता भी न जल गई हों, और फिर जानते हैं कि उन्हें कुछ नहीं हुआ।

Hanuman wrecks Ravana's grove and fights off the rakshasas, then lets Indrajit's Brahma weapon bind him so that he can face Ravana. In the court he tells the king to give Sita back; Vibhishana saves him from death, and Ravana orders his tail set on fire instead. With the burning tail Hanuman sets Lanka ablaze, fears he has burned Sita too, and learns that she is unharmed.

१



PART 1 · भाग 1

The gate

Valmiki 5.41.1–5.48.56 (CrEd 5.39.1–5.46.54)

॥ 5.41.1 ॥
CrEd 5.39.1

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.41.2-3 ॥
CrEd 5.39.2-3

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अल्पशेषम् इदं कार्यं दृष्टेयम् असितेक्षणा ।
त्रीन् उपायान् अतिक्रम्य चतुर्थं इह दृश्यते ।
न साम रक्षःसु गुणाय कल्पते न दानम् अर्थोपचितेषु वर्तते ।
न भेदसाध्या बलदर्पिता जनाः पराक्रमस् त्व् एष
ममेह रोचते ॥

TRANSLATION *Little is left of this task;
I have seen the dark-eyed lady.
Passing over the three means,
the fourth is what shows itself here.
Soft words do no good with rakshasas;
gifts do not work with those heaped with wealth;
people proud of their strength are not won
by division;
here it is force that pleases me.*

लीला मैंने उन श्यामनयना को देख लिया। अब थोड़ा ही
काम शेष है। राक्षसों पर न साम चलता है, न दान,
न भेद। यहाँ तो पराक्रम ही मुझे उचित लगता है।

SUBTITLE I have seen the dark-eyed lady;
little work is left.
Soft words won't move rakshasas,
nor gifts, nor division: here, force.

॥ 5.41.11 ॥
CrEd 5.39.10

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि इदं विध्वंसयिष्यामि शुष्कं वनम् इवानलः ।
अस्मिन् भग्ने ततः कोपं करिष्यति स रावणः ॥

TRANSLATION *I will lay this grove waste,
as fire lays waste a dry forest;
and when it is broken,
Ravana will grow angry.*

लीला जैसे अग्नि सूखे वन को नष्ट करती है, वैसे ही मैं इस
उपवन को उजाड़ दूँगा। इसके उजड़ते ही रावण
क्रोध करेगा।

SUBTITLE I will lay this grove waste,
as fire takes a dry forest.
When it lies broken,
Ravana will rage.

॥ 5.41.14–19,
5.42.17–19 ॥
CrEd 5.39.13–14,
5.40.17–19

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.42.1–4 ॥
CrEd 5.40.1–4

SILENT MOMENT मौन क्षण

राक्षसी RAKSHASI

वाल्मीकि कोऽयं कस्य कुतो वायं किंनिमित्तम् इहागतः ।
कथं त्वया सहानेन संवादः कृत इत्य् उत ।
आचक्ष्व नो विशालाक्षि मा भूत् ते सुभगे भयम् ॥

TRANSLATION *Who is he? Whose is he? From where?
For what cause has he come here?
And how is it that you
have talked with him?
Tell us, wide-eyed one;
have no fear, lovely lady.*

लीला यह कौन है? किसका है? कहाँ से आया,
किसलिए? इसने तुमसे क्या बात की? बताओ,
विशालाक्षी, डरो मत।

SUBTITLE Who is he? Whose is he?
Where from, and why here?
What did he say to you?
Tell us, wide-eyed one; don't be afraid.

॥ 5.42.8-9 ॥
CrEd 5.40.8-9

सीता SITA

वाल्मीकि रक्षसां कामरूपाणां विज्ञाने मम का गतिः ।
यूयम् एवास्य जानीत योऽयं यद् वा करिष्यति ।
अहिर् एव अहेः पादान् विजानाति न संशयः ॥

TRANSLATION *What means have I of knowing
rakshasas who take any form they will?
You yourselves must know
who he is, or what he will do.
Only a snake knows a snake's feet;
of that there is no doubt.*

लीला इच्छा से रूप बदलने वाले राक्षसों को पहचानना
मेरे बस में कहाँ? यह कौन है, क्या करेगा, तुम्हीं
जानो। साँप के पैर साँप ही जानता है।

SUBTITLE How would I know rakshasas
who change shape at will?
You know who he is.
Only a snake knows a snake's tracks.

॥ 5.42.10 ॥
CrEd 5.40.10

सीता SITA

वाल्मीकि अहम् अप्य् अस्य भीतास्मि नैनं जानामि कोऽन्वयम् ।
वेद्मि राक्षसम् एवैनं कामरूपिणम् आगतम् ॥

TRANSLATION *I too am afraid of him;
I do not know who he is.
I take him for a rakshasa
come here in a form of his choosing.*

लीला मैं भी इससे डरी हुई हूँ। मैं नहीं जानती यह कौन
है। मुझे तो यह इच्छा से रूप धरने वाला कोई
राक्षस ही लगता है।

SUBTITLE I am afraid of him too.
I don't know who he is.
Some rakshasa, I think,
come in a shape of his choosing.

॥ 5.42.33 ॥
CrEd 5.41.6

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि जयत्य् अतिबलो रामो लक्ष्मणश् च महाबलः ।
राजा जयति सुग्रीवो राघवेणाभिपालितः ॥

TRANSLATION *Victory to Rama, mighty beyond measure,
and to Lakshmana of great strength!
Victory to King Sugriva,
protected by Raghava!*

लीला अतिबलशाली राम की जय! महाबली लक्ष्मण की
जय! राघव से रक्षित राजा सुग्रीव की जय!

SUBTITLE Victory to Rama, mighty beyond measure,
and to strong Lakshmana!
Victory to King Sugriva,
whom Raghava protects!

प्रचलित पाठ यह जयघोष द्वार पर (5.42.33-36) और फिर चैत्य-प्रासाद पर (5.43.8-11) देता है; CrEd इसे केवल एक बार, चैत्य-प्रासाद पर (5.41.6-9) देता है।

The popular text gives this cry at the gate (5.42.33-36) and again at the temple tower (5.43.8-11); the CrEd gives it once, at the temple tower (5.41.6-9).

॥ 5.42.34 ॥
CrEd 5.41.7

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि दासोऽहं कोसलेन्द्रस्य रामस्याक्लिष्टकर्मणः ।
हनुमाञ् शत्रुसैन्यानां निहन्ता मारुतात्मजः ॥

TRANSLATION *I am the servant of the lord of Kosala,
Rama, whose deeds never falter:
Hanuman, slayer of enemy armies,
son of the Wind.*

लीला मैं अक्लिष्टकर्मा कोसलराज राम का दास हूँ,
पवनपुत्र हनुमान, शत्रु-सेनाओं का संहारक!

SUBTITLE I am the servant of Rama,
Kosala's king, whose deeds never falter:
Hanuman, son of the Wind,
destroyer of enemy armies!

॥ 5.42.35-36 ॥
CrEd 5.41.8-9

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि न रावणसहस्रं मे युद्धे प्रतिबलं भवेत् ।
शिलाभिस् तु प्रहरतः पादपैश् च सहस्रशः ।
अर्दयित्वा पुरीं लङ्काम् अभिवाद्य च मैथिलीम् ।
समृद्धार्थो गमिष्यामि मिषतां सर्वरक्षसाम् ॥

TRANSLATION *A thousand Ravanaas could not
match me in battle,
as I strike with rocks
and with trees by the thousand.
I will crush the city of Lanka,
bow to Maithili,
and go, my purpose won,
while all the rakshasas look on.*

लीला सहस्र रावण भी युद्ध में मेरी बराबरी नहीं कर
सकते। सब राक्षसों के देखते-देखते मैं लंका
को रौंदकर, मैथिली को प्रणाम करके, सफल
होकर लौटूँगा।

SUBTITLE A thousand Ravanaas could not match me.
I will crush Lanka,
bow to Maithili, and go,
while every rakshasa watches!

॥ 5.42.39-40 ॥
CrEd 5.40.31-32

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.48.18-38 ॥
CrEd 5.46.16-36

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.48.43 ॥
CrEd 5.46.41

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अस्त्रेणापि हि बद्धस्य भयं मम न जायते ।
पितामहमहेन्द्राभ्यां रक्षितस्यानिलेन च ॥

TRANSLATION *Though bound by the weapon,
I feel no fear,
for the Grandsire and great Indra
protect me, and the Wind.*

लीला अस्त्र से बँधकर भी मुझे भय नहीं होता। पितामह
ब्रह्मा, महेन्द्र और पवनदेव मेरी रक्षा करते हैं।

SUBTITLE Bound by the weapon,
I feel no fear:
Brahma and great Indra guard me,
and the Wind.

॥ 5.48.44 ॥
CrEd 5.46.42

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि ग्रहणे चापि रक्षोभिर् महन् मे गुणदर्शनम् ।
राक्षसेन्द्रेण संवादस् तस्माद् गृह्णन्तु मां परे ॥

TRANSLATION *Even in being seized by rakshasas
I see great gain for me:
I will speak with the lord of rakshasas.
So let the enemy take me.*

लीला राक्षसों के पकड़ने में भी मेरा बड़ा लाभ है,
राक्षसराज से बात होगी। इसलिए शत्रु मुझे पकड़
ही लें।

SUBTITLE Even taken, I gain much:
I will speak with the rakshasa king.
So let them seize me.

॥ 5.48.46–48 ॥
CrEd 5.46.44–46

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.48.50 ॥
CrEd 5.46.48

इन्द्रजित् INDRAJIT

वाल्मीकि अहो महत् कर्म कृतं निरर्थकं न राक्षसैर् मन्त्रगतिर् विमृष्टा ।
पुनश् च नास्त्रे विहतेऽस्त्रम् अन्यत् प्रवर्तते संशयिताः
स्म सर्वे ॥

TRANSLATION *Oh, a great deed done for nothing!
The rakshasas did not weigh how a spell works:
once a weapon is undone, no other weapon
takes hold. We are all in peril.*

लीला अहो, इतना बड़ा कर्म व्यर्थ गया! राक्षसों ने मन्त्र
की गति पर विचार ही नहीं किया। एक अस्त्र टूटा
तो दूसरा अब काम न करेगा। हम सब संकट में हैं।

SUBTITLE All that work for nothing!
They never weighed the spell.
The weapon is undone, no other will serve,
and we are all at risk.

॥ 5.48.52 ॥
CrEd 5.46.50

SILENT MOMENT मौन क्षण



The envoy

Valmiki 5.49.1–5.53.9 (CrEd 5.47.1–5.51.9)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 5.49.1–2, 15–
16 ॥
CrEd 5.47.1–2, 15–
16

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.49.17 ॥
CrEd 5.47.17

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अहो रूपम् अहो धैर्यम् अहो सत्त्वम् अहो द्युतिः ।
अहो राक्षसराजस्य सर्वलक्षणयुक्तता ॥

TRANSLATION *Oh, what beauty! Oh, what composure!*
Oh, what strength! Oh, what radiance!
Oh, how the king of the rakshasas
bears every mark of greatness!

लीला अहो, कैसा रूप! कैसा धैर्य, कैसा बल, कैसी
कान्ति! इस राक्षसराज में सब शुभ लक्षण हैं।

SUBTITLE What a form! What courage,
what strength, what splendour!
The king of the rakshasas
bears every mark of greatness.

॥ 5.49.18 ॥
CrEd 5.47.18

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यद्य् अधर्मो न बलवान् स्याद् अयं राक्षसेश्वरः ।
स्याद् अयं सुरलोकस्य सशक्रस्यापि रक्षिता ॥

TRANSLATION *If unrighteousness were not so strong in him,
this lord of the rakshasas
could be the protector even
of the world of the gods, with Indra.*

लीला यदि इसमें अधर्म इतना बलवान न होता, तो यह
राक्षसेश्वर इन्द्र समेत पूरे देवलोक का रक्षक हो
सकता था।

SUBTITLE If adharma were not so strong in him,
this lord of rakshasas
could guard heaven itself,
and Indra too.

॥ 5.50.5 ॥
CrEd 5.48.3

रावण RAVANA

वाल्मीकि दुरात्मा पृच्छ्यताम् एष कुतः किं वास्य कारणम् ।
वनभङ्गे च कोऽस्यार्थो राक्षसीनां च तर्जने ॥

TRANSLATION *Let this wicked one be asked
where he comes from, and why,
and what he meant by breaking the grove
and threatening the rakshasis.*

लीला इस दुष्ट से पूछो, कहाँ से आया है? किस कारण?
मेरा उपवन उजाड़ने और राक्षसियों को डराने में
इसका क्या प्रयोजन था?

SUBTITLE Question this wretch.
Where is he from? Why is he here?
Why break my grove,
and terrify the rakshasis?

प्रहस्त PRAHASTA

वाल्मीकि समाश्वसिहि भद्रं ते न भीः कार्या त्वया कपे ।
यदि तावत् त्वम् इन्द्रेण प्रेषितो रावणालयम् ।
तत्त्वम् आख्याहि मा ते भूद् भयं वानर मोक्ष्यसे ॥

TRANSLATION *Take heart, blessings on you;
you need have no fear, monkey.
If it was Indra
who sent you to Ravana's house,
tell the truth; have no fear,
monkey: you will be set free.*

लीला धीरज रखो, वानर, डरो मत। यदि तुम्हें इन्द्र ने
रावण के भवन में भेजा है, तो सच-सच बता दो।
भय न करो, तुम्हें छोड़ दिया जाएगा।

SUBTITLE Take heart, monkey; don't be afraid.
If Indra sent you to Ravana's house,
tell the truth,
and you will go free.

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि एवम् उक्तो हरिवरस् तदा रक्षोगणेश्वरम् ।
अब्रवीन् नास्मि शक्रस्य यमस्य वरुणस्य वा ।
धनदेन न मे सख्यं विष्णुना नास्मि चोदितः ।
जातिर् एव मम त्व् एषा वानरोऽहम् इहागतः ।
दर्शने राक्षसेन्द्रस्य दुर्लभे तद् इदं मया ।
वनं राक्षसराजस्य दर्शनार्थे विनाशितम् ॥

TRANSLATION *Spoken to so, the best of monkeys
then said to the lord of the rakshasa hosts:
“I am not Indra’s,
nor Yama’s, nor Varuna’s.
I have no friendship with Kubera,
nor was I sent by Vishnu.
This is simply what I am by birth:
a monkey, I have come here.
Since the lord of rakshasas
was hard to see,
I laid waste this grove of the king
in order to see him.”*

लीला मैं न इन्द्र का भेजा हूँ, न यम का, न वरुण का, न
कुबेर मेरा मित्र है, न विष्णु ने मुझे भेजा है। मैं जन्म
से वानर ही हूँ। राक्षसराज के दर्शन दुर्लभ हैं। उन्हीं
के दर्शन के लिए मैंने उनका उपवन उजाड़ा।

SUBTITLE No god sent me:
not Indra, Yama, Varuna or Vishnu.
I am a monkey born.
To see the king, I broke his grove.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (5.48.10-12) में है; दृश्य की पंक्ति आरंभ के शब्द छोड़ देती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (5.48.10-12); the scene's line leaves out the opening words.

॥ 5.50.15, 17–
18 ॥

CrEd 5.48.13, 15

condensed
from 5.50.15,
17–18

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि ततस् ते राक्षसाः प्राप्ता बलिनो युद्धकाङ्क्षिणः ।
रक्षणार्थं च देहस्य प्रतियुद्धा मया रणे ।
राजानं द्रष्टुकामेन मयास्त्रम् अनुवर्तितम् ।
विमुक्तो अहम् अस्त्रेण राक्षसैस् त्व् अतिपीडितः ॥

TRANSLATION *Then those rakshasas came,
strong, eager for battle,
and to protect my body
I fought them back on the field.
Wishing to see the king,
I yielded to the weapon;
I am free of the weapon,
but sorely tormented by the rakshasas.*

लीला तब आपके बलवान राक्षस युद्ध की इच्छा से आए।
अपने शरीर की रक्षा के लिए ही मैंने उनसे युद्ध
किया। राजा के दर्शन की इच्छा से ही मैंने अस्त्र को
स्वीकार किया।

SUBTITLE Your strong rakshasas came to fight;
I fought only to save my body.
To see the king,
I let the weapon hold me.

॥ 5.50.19 ॥
CrEd 5.48.16

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि दूतोऽहम् इति विज्ञेयो राघवस्यामितौजसः ।
श्रूयतां चापि वचनं मम पथ्यम् इदं प्रभो ॥

TRANSLATION *Know that I am a messenger
of Raghava, whose might has no measure;
and hear, my lord,
these words of mine, for your good.*

लीला मुझे अमित तेजस्वी राघव का दूत जानिए। प्रभु,
मेरी यह हितकर बात भी सुनिए।

SUBTITLE Know me as the envoy of Raghava,
whose might has no measure.
Hear my words, lord:
they are for your good.

॥ 5.51.2 ॥
CrEd 5.49.2

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अहं सुग्रीवसंदेशाद् इह प्राप्तस् तवालयम् ।
राक्षसेन्द्र हरीशस् त्वां भ्राता कुशलम् अब्रवीत् ॥

TRANSLATION *I have come here to your house
with a message from Sugriva;
lord of rakshasas, the king of monkeys,
your brother, asks after your welfare.*

लीला मैं सुग्रीव के संदेश से आपके भवन में आया हूँ।
राक्षसेन्द्र, वानरराज, आपके भाई, आपकी कुशल
पूछते हैं।

SUBTITLE I come at Sugriva's bidding.
King of rakshasas,
the lord of the monkeys, your brother king,
asks after your welfare.

॥ 5.51.16-17 ॥
CrEd 5.49.15

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि तद् भवान् दृष्टधर्मार्थस् तपः कृतपरिग्रहः ।
परदारान् महाप्राज्ञ नोपरोद्धुं त्वम् अर्हसि ॥

TRANSLATION *So you, who have seen dharma and gain,
who have taken up austerity,
should not hold another's wife captive,
you who are so wise.*

लीला आप धर्म और अर्थ को जानने वाले हैं, आपने तप
का व्रत लिया है। महाप्राज्ञ, पराई स्त्री को बंदी
रखना आपको शोभा नहीं देता।

SUBTITLE You know dharma and wealth;
you have taken up austerity.
Wise as you are,
you should not hold another man's wife.

॥ 5.51.21 ॥
CrEd 5.49.19

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि तत् त्रिकालहितं वाक्यं धर्म्यम् अर्थानुबन्धि च ।
मन्यस्व नरदेवाय जानकी प्रतिदीयताम् ॥

TRANSLATION *So heed these words, good for all three times,
true to dharma, and bound up with gain:
to the god among men
let Janaki be given back.*

लीला इसलिए यह बात मानिए, जो तीनों कालों में
हितकर है, धर्मसंगत है और लाभकारी भी, जानकी
को नरदेव राम को लौटा दीजिए।

SUBTITLE Heed these words, good for all time,
true to dharma and to your gain:
give Janaki back
to the king of men.

॥ 5.51.34-35 ॥
CrEd 5.49.33-34

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यां सीतेत्य् अभिजानासि येयं तिष्ठति ते वशे ।
कालरात्रीति तां विद्धि सर्वलङ्काविनाशिनीम् ।
तद् अलं कालपाशेन सीता विग्रहरूपिणा ।
स्वयं स्कन्धावसक्तेन क्षमम् आत्मनि चिन्त्यताम् ॥

TRANSLATION *She whom you know as Sita,
she who is here in your power:
know her for the Night of Doom,
destroyer of all Lanka.
So, enough of this noose of Death
in the bodily form of Sita,
hung on your own shoulder by yourself;
think what is good for yourself.*

लीला जिन्हें आप सीता समझते हैं, जो आपके वश में हैं,
उन्हें समस्त लंका का विनाश करने वाली कालरात्रि
जानिए। सीता के रूप में यह कालपाश आपने स्वयं
अपने गले में डाला है। अपना हित सोचिए।

SUBTITLE She you call Sita
is the Night of Doom for all Lanka.
You have hung Death's noose on your
own neck.
Think of yourself.

॥ 5.52.1-5 ॥
CrEd 5.50.1-4

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.52.6 ॥
CrEd 5.50.5

विभीषण VIBHISHANA

वाल्मीकि राजन् धर्मविरुद्धं च लोकवृत्तेश् च गर्हितम् ।
तव चासदृशं वीर कपेर् अस्य प्रमापणम् ॥

TRANSLATION *King, against dharma,
condemned by the ways of the world,
and unworthy of you, hero,
is the killing of this monkey.*

लीला राजन्, इस वानर का वध धर्म के विरुद्ध है, और
लोक-व्यवहार में निंदित भी। वीर, यह आपको
शोभा नहीं देता।

SUBTITLE King, killing this monkey
goes against dharma,
and the world condemns it.
It is unworthy of you, hero.

॥ 5.52.11 ॥

popular text
only · not in
the CrEd

रावण RAVANA

वाल्मीकि न पापानां वधे पापं विद्यते शत्रुसूदन ।
तस्माद् एनं वधिष्यामि वानरं पापचारिणम् ॥

TRANSLATION *There is no sin in the slaying
of sinners, slayer of foes;
so I will slay this monkey,
this doer of evil.*

लीला पापियों के वध में कोई पाप नहीं, शत्रुसूदन।
इसलिए मैं इस पापी वानर का वध करूँगा।

SUBTITLE There is no sin
in killing sinners.
So I will kill this monkey,
this doer of evil.

॥ 5.52.14 ॥
CrEd 5.50.6

विभीषण VIBHISHANA

वाल्मीकि असंशयं शत्रुर् अयं प्रवृद्धः कृतं ह्य् अनेनाप्रियम् अप्रमेयम् ।
न दूतवध्यां प्रवदन्ति सन्तो दूतस्य दृष्टा बहवो हि दण्डाः ॥

TRANSLATION *No doubt he is an enemy, grown strong,
for he has done us harm beyond measure;
but the good do not speak of killing an envoy;
many punishments for an envoy are known.*

लीला निःसंदेह यह शत्रु है, और इसने हमारा बहुत अहित
किया है। पर सज्जन दूत का वध कभी उचित
नहीं बताते।

SUBTITLE He is our enemy, no doubt,
and has done us great harm.
But the good say:
an envoy is never killed.

॥ 5.52.15 ॥
CrEd 5.50.7

विभीषण VIBHISHANA

वाल्मीकि वैरूप्यम् अङ्गेषु कशाभिघातो मौण्ड्यं तथा लक्ष्मणसंनिपातः ।
एतान् हि दूते प्रवदन्ति दण्डान् वधस् तु दूतस्य न
नः श्रुतोऽपि ॥

TRANSLATION *Disfigurement of the limbs, a flogging with whips,
shaving the head, the branding of a mark:
these are the punishments named for an envoy;
but an envoy's killing we have never even heard of.*

लीला दूत के लिए और भी दण्ड हैं, अंग-भंग, कोड़ों की
मार, सिर मुँडाना, दाग देना। पर दूत का वध तो
हमने सुना तक नहीं।

SUBTITLE For an envoy, other punishments:
maiming, the lash, a shaven head, a brand.
But killing an envoy
we have never even heard of.

॥ 5.52.21, 23 ॥

CrEd 5.50.12, 14

condensed
from 5.52.21,
23

विभीषण VIBHISHANA

वाल्मीकि अपि चास्मिन् हते राजन् नान्यं पश्यामि स्वेचरम् ।
इह यः पुनर् आगच्छेत् परं पारं महोदधेः ।
अस्मिन् विनष्टे न हि दूतम् अन्यं पश्यामि यस्
तौ नरराजपुत्रौ ।
युद्धाय युद्धप्रियदुर्विनीताव् उद्योजयेद् दीर्घपथावरुद्धौ ॥

TRANSLATION *And besides, king, if he is slain,
I see no other sky-ranger
who could come here again
from beyond the great ocean.
With him destroyed, I see no other envoy
who could stir those two princes,
war-loving and untamed, held back by the
long road,
to come to battle.*

लीला और राजन्, यदि यह मारा गया, तो मुझे कोई और
आकाशचारी नहीं दिखता जो महासागर पार जाकर
उन दोनों राजकुमारों को युद्ध के लिए उकसाए।

SUBTITLE If he dies, King,
who else can fly back over the ocean
and rouse those two princes
to fight you?

रावण RAVANA

वाल्मीकि सम्यग् उक्तं हि भवता दूतवध्या विगर्हिता ।
अवश्यं तु वधाद् अन्यः क्रियताम् अस्य निग्रहः ।
कपीनां किल लाङ्गूलम् इष्टं भवति भूषणम् ।
तद् अस्य दीप्यतां शीघ्रं तेन दग्धेन गच्छतु ॥

TRANSLATION *You have spoken rightly:
the killing of an envoy is condemned.
But surely some punishment other than death
must be dealt him.
A monkey's tail, they say,
is the ornament he loves;
so let it be set alight at once,
and let him go with it burnt.*

लीला तुमने ठीक कहा, दूत का वध निंदित है। पर इसे
वध के सिवा कोई दण्ड अवश्य मिले। कहते हैं,
पूँछ वानरों का प्यारा आभूषण होती है। इसकी पूँछ
में अभी आग लगाओ, और यह जली पूँछ लेकर
ही जाए।

SUBTITLE You are right: killing an envoy
is condemned.
But punish him.
A monkey prizes his tail:
set it alight, and let him go burnt.

॥ 5.53.4-5 ॥
CrEd 5.51.4-5

रावण RAVANA

वाल्मीकि ततः पश्यन्त्वं इमं दीनम् अङ्गवैरूप्यकर्शितम् ।
समित्रा ज्ञातयः सर्वे बान्धवाः ससुहृज्जनाः ।
आज्ञापयद् राक्षसेन्द्रः पुरं सर्वं सचत्वरम् ।
लाङ्गूलेन प्रदीप्तेन रक्षोभिः परिणीयताम् ॥

TRANSLATION *Then let them see him wretched,
wasted by the disfigurement of his limb,
all his kin, with his friends,
relations and well-wishers.
The lord of rakshasas commanded:
“Through all the city and its squares,
with his tail ablaze,
let him be led round by the rakshasas.”*

॥ 5.53.6-8 ॥
CrEd 5.51.6-8

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.53.5 ॥
CrEd 5.51.5

SILENT MOMENT मौन क्षण

लीला फिर इसके सब मित्र, जाति-बंधु और हितैषी इसे
अंग-भंग से दीन-हीन देखें। जलती पूँछ के साथ
इसे पूरे नगर में, हर चौराहे पर घुमाओ।

SUBTITLE Let his friends and kin all see him,
wretched and disfigured.
Lead him through the city, every square,
with his tail ablaze!



Lanka burns

Valmiki 5.53.10–5.55.34 (CrEd 5.51.10–5.53.28)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 5.53.17–18 ॥
CrEd 5.51.15–16

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.53.22 ॥
CrEd 5.51.19

पहरेदार GUARDS

वाल्मीकि चत्वरेषु चतुष्केषु राजमार्गे तथैव च ।
घोषयन्ति कपिं सर्वे चारीक इति राक्षसाः ॥

TRANSLATION *In the crossroads, in the squares,
and likewise on the royal road,
all the rakshasas proclaim the monkey:
“A spy!”*

लीला गुप्तचर! गुप्तचर!

SUBTITLE A spy!
A spy!

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि कामं खलु न मे शक्ता निबद्धस्यापि राक्षसाः ।
छित्त्वा पाशान् समुत्पत्य हन्याम् अहम् इमान् पुनः ।
सर्वेषाम् एव पर्याप्तो राक्षसानाम् अहं युधि ।
किं तु रामस्य प्रीत्यर्थं विषहिष्येऽहम् ईदृशम् ॥

TRANSLATION *In truth, these rakshasas have no power over me,
bound though I am;
I could cut the cords, leap up,
and slay them all over again.
I am a match in battle
for all the rakshasas;
but for Rama's pleasure
I will bear this.*

लीला बँधा होने पर भी ये राक्षस मेरा कुछ नहीं बिगाड़
सकते। चाहूँ तो ये फंदे तोड़कर, उछलकर इन
सबको मार डालूँ। पर राम की प्रसन्नता के लिए मैं
यह सब सह लूँगा।

SUBTITLE Bound, I am still too much for them.
I could snap these ropes and kill them all.
For Rama's sake,
I will bear it.

॥ 5.53.15 ॥
CrEd 5.51.13

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि रात्रौ न हि सुदृष्टा मे दुर्गकर्मविधानतः ।
अवश्यम् एव द्रष्टव्या मया लङ्का निशाक्षये ॥

TRANSLATION *By night I did not see it well,
how its defences are laid out;
I must surely see Lanka
as the night comes to its end.*

लीला रात में मैं इस दुर्ग की रचना ठीक से नहीं देख पाया
था। रात ढलते हुए लंका को फिर से देखना मेरे
लिए आवश्यक है।

SUBTITLE By night I could not see
how this fort is built.
I must see Lanka again,
now, as the night ends.

॥ 5.53.32–33 ॥
CrEd 5.51.28

SILENT MOMENT मौन क्षण

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि दह्यमाने च लाङ्गूले चिन्तयाम् आस वानरः ।
प्रदीप्तोऽग्निर् अयं कस्मान् न मां दहति सर्वतः ।
दृश्यते च महाज्वालः करोति च न मे रुजम् ।
शिशिरस्येव संपातो लाङ्गूलाग्रे प्रतिष्ठितः ॥

TRANSLATION *As his tail burned,
the monkey thought:
“This fire is blazing; why
does it not burn me all over?
Great flames are seen,
yet it gives me no pain,
as if a fall of cool dew
had settled on my tail’s tip.”*

लीला यह अग्नि चारों ओर धधक रही है, फिर मुझे जलाती
क्यों नहीं? इतनी बड़ी ज्वालाएँ, और कोई पीड़ा
नहीं, मानो पूँछ की नोक पर हिम रखा हो।

SUBTITLE The fire is blazing:
why does it not burn me?
Great flames, and no pain,
as if snow lay on my tail.

॥ 5.53.38 ॥
CrEd 5.51.33

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि सीतायाश् चानृशंस्येन तेजसा राघवस्य च ।
पितुश् च मम सख्येन न मां दहति पावकः ॥

TRANSLATION *Through Sita's kindness,
through Raghava's power,
and through his friendship with my father,
the fire does not burn me.*

लीला सीता की करुणा से, राघव के तेज से, और मेरे
पिता पवन से अग्नि की मित्रता के कारण यह पावक
मुझे नहीं जलाता।

SUBTITLE Sita's kindness,
Raghava's power,
my father's friendship with Fire:
that is why the fire does not burn me.

॥ 5.53.40–43,
5.54.6 ॥
CrEd 5.51.35–38,
5.52.6

SILENT MOMENT मौन क्षण

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि किं नु खल्व् अविशिष्टं मे कर्तव्यम् इह साम्प्रतम् ।
यद् एषां रक्षसां भूयः संतापजननं भवेत् ।
वनं तावत् प्रमथितं प्रकृष्टा राक्षसा हताः ।
बलैकदेशः क्षपितः शेषं दुर्गविनाशनम् ॥

TRANSLATION *What is left for me
to do here now,
that would bring these rakshasas
still more torment?
The grove is already laid waste,
the foremost rakshasas are slain,
part of their army destroyed;
what remains is the fortress's ruin.*

लीला अब यहाँ ऐसा क्या शेष है, जिससे इन राक्षसों को
और संताप हो? उपवन उजड़ गया, बड़े-बड़े राक्षस
मारे गए, सेना का एक भाग नष्ट हुआ। अब दुर्ग का
विनाश ही शेष है।

SUBTITLE What is left, to grieve them more?
The grove is broken, their
champions killed,
part of their army gone.
Only the fort remains.

॥ 5.54.5 ॥
CrEd 5.52.5

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यो ह्य् अयं मम लाङ्गूले दीप्यते हव्यवाहनः ।
अस्य संतर्पणं न्याय्यं कर्तुम् एभिर् गृहोत्तमैः ॥

TRANSLATION *This bearer of offerings
that blazes on my tail:
it is only right to sate it
with these splendid houses.*

लीला मेरी पूँछ पर जो यह अग्नि धधक रही है, इसे इन
उत्तम भवनों से तृप्त करना ही उचित है।

SUBTITLE This fire blazing on my tail:
it is only right
to give it a feast
of these fine houses.

॥ 5.54.6, 21–22 ॥
CrEd 5.52.6–9

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.54.23, 27 ॥
CrEd 5.52.10, 12

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.55.1–2 ॥
CrEd 5.53.1–2

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.55.2 ॥
CrEd 5.53.2

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि लङ्कां प्रदहता कर्म किंस्वित् कृतम् इदं मया ॥

TRANSLATION *What is this deed I have done,
burning Lanka?*

लीला लंका जलाकर यह मैंने क्या कर डाला?

SUBTITLE What have I done,
burning Lanka?

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यदि दग्धा त्व् इयं लङ्का नूनम् आर्यापि जानकी ।
दग्धा तेन मया भर्तुर् हतं कार्यम् अजानता ।
यद् अर्थम् अयम् आरम्भस् तत् कार्यम् अवसादितम् ।
मया हि दहता लङ्कां न सीता परिरक्षिता ॥

TRANSLATION *If this Lanka is burnt,
surely noble Janaki too
is burnt; and so I have ruined
my master's task, unknowing.
The task for which this venture was begun
has come to nothing,
for while I burned Lanka
I did not protect Sita.*

लीला यदि यह लंका जल गई, तो आर्या जानकी भी निश्चय
ही जल गई होंगी। लंका जलाते समय मैंने सीता
की रक्षा नहीं की। अनजाने में मैंने स्वामी का काम
नष्ट कर दिया।

SUBTITLE If Lanka is burnt,
then noble Janaki is burnt too.
I never guarded Sita.
Blindly, I have ruined my master's work.

॥ 5.55.11 ॥
CrEd 5.53.7

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि विनष्टा जानकी व्यक्तं न ह्य् अदग्धः प्रदृश्यते ।
लङ्कायाः कश्चिद् उद्देशः सर्वा भस्मीकृता पुरी ॥

TRANSLATION *Janaki has surely perished,
for no corner of Lanka
can be seen unburnt;
the whole city is turned to ash.*

लीला लंका का कोई कोना बिना जला नहीं दिखता। पूरी
नगरी भस्म हो गई। जानकी निश्चय ही नष्ट हो गई।

SUBTITLE Not one corner of Lanka is left unburnt.
The whole city is ash.
Janaki is surely lost.

॥ 5.55.17 ॥
CrEd 5.53.13

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि विनष्टायां तु सीतायां ताव् उभौ विनशिष्यतः ।
तयोर् विनाशे सुग्रीवः सबन्धुर् विनशिष्यति ॥

TRANSLATION *If Sita has perished,
those two will both perish;
and when they perish, Sugriva
will perish with his kin.*

लीला सीता के न रहने पर वे दोनों भाई भी न रहेंगे। और
उनके न रहने पर सुग्रीव भी अपने बंधु-बांधवों
समेत नष्ट हो जाएँगे।

SUBTITLE If Sita is gone,
those two brothers will die;
and when they die,
Sugriva dies, with all his kin.

॥ 5.55.12-16 ॥
CrEd 5.53.8-12

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.55.21 ॥
CrEd 5.53.17

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 5.55.22 ॥
CrEd 5.53.18

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि अथ वा चारुसर्वाङ्गी रक्षिता स्वेन तेजसा ।
न नशिष्यति कल्याणी नाग्निर् अग्नौ प्रवर्तते ॥

TRANSLATION *Or else, lovely in every limb,
she is guarded by her own fire;
the blessed lady will not perish:
fire has no power over fire.*

लीला या फिर, वे कल्याणी अपने ही तेज से रक्षित
हैं। उनका नाश नहीं होगा। अग्नि अग्नि को
नहीं जलाती।

SUBTITLE Or else: that lovely lady
is guarded by her own radiance.
She will not perish.
Fire does not burn fire.

॥ 5.55.26 ॥
CrEd 5.53.22

हनुमान HANUMAN

वाल्मीकि यद् वा दहनकर्मायं सर्वत्र प्रभुर् अव्ययः ।
न मे दहति लाङ्गूलं कथम् आर्या प्रधक्ष्यति ॥

TRANSLATION *Or again: this fire, whose work is burning,
master everywhere, unfailing,
does not burn my tail;
how would it burn the noble lady?*

लीला जिस अग्नि का काम ही जलाना है, जो सर्वत्र समर्थ
है, वह मेरी पूँछ को नहीं जलाती। तो वह आर्या
सीता को कैसे जलाएगी?

SUBTITLE This fire, whose work is burning,
master everywhere,
does not burn my tail:
how could it burn that noble lady?

॥ 5.55.32 ॥
CrEd 5.53.26

चारण CHARANAS

वाल्मीकि दग्धेयं नगरी लङ्का साट्टप्राकारतोरणा ।
जानकी न च दग्धेति विस्मयोऽद्भुत एव नः ॥

TRANSLATION *This city of Lanka is burnt,
with its towers, walls and gates,
and yet Janaki is not burnt:
to us this is a marvel and a wonder.*

लीला अटारियों, परकोटों और तोरणों समेत लंका नगरी
जल गई, पर जानकी नहीं जलीं। यह तो अद्भुत
आश्चर्य है!

SUBTITLE Lanka is burnt,
its towers, walls and gates,
yet Janaki is not burnt.
A marvel, a wonder!

॥ 5.55.33–34 ॥
CrEd 5.53.27–28

SILENT MOMENT मौन क्षण

In other Hindu scriptures

♦ Angada's foot that no one could lift

Tulsidas, Ramcharitmanas 6.33.4–7, dohas 34a–b · not in Valmiki

Valmiki: Angada leaps onto the palace roof and it cracks under him (CrEd 6.31.75–78)

Read the full Valmiki Ramayana · पूरी वाल्मीकि रामायण पढ़ें

श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण (गीता प्रेस, भाग 1-2)

Shrimad Valmikiya Ramayan, Gita Press (Sanskrit with Hindi, Parts 1-2)

वाल्मीकि रामायण: बिबेक देब्रॉय का अंग्रेज़ी अनुवाद (3 खंड)

The Valmiki Ramayana, tr. Bibek Debroy (Penguin, 3 vols; translated from the Critical Edition)

आलोचनात्मक संस्करण (ओरिएंटल इंस्टीट्यूट, बड़ौदा): निःशुल्क पढ़ें

The Critical Edition (Oriental Institute, Baroda): read free

As an Amazon Associate we earn from qualifying purchases.

CREDITS · श्रेय

..❧ Translation: Raam Leela ❧..

The Sanskrit is the popular text of Valmiki's Ramayana, as each scene cites it, checked against the Critical Edition (CrEd, Baroda; GRETIL e-text). The Critical Edition is published by the Oriental Institute, Vadodara.

Verse numbers give the popular text first and the CrEd in brackets. Every translation here is written fresh from the Sanskrit for Raam Leela; none is copied from a published translation.

Voices are made with computer tools; the music comes from our own stage productions.

© 2026 Nolabel Immersive Experiences Pvt Ltd